चिड़ियाघर की सैर

चिड़ियाघर वह स्थान है- जहाँ देश- विदेश के अनेक प्रकार के पशु-पक्षी रखे जाते हैं | इनको देखकर मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञान में भी बढ़ोतरी होती है |

गत रविवार को मुझे अपने परिवार के साथ चिड़ियाघर की सैर करने का अवसर मिला | हम बस द्वारा मथुरा मार्ग पर पुराने किले के पास स्थित चिड़ियाघर पहुंचे | हमने चिड़ियाघर में प्रवेश के लिए टिकट खरीदा और अन्दर चले गए | दिल्ली का यह चिड़ियाघर बहुत बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है | इसमें विभिन्न प्रकार के देशी-विदेशी पशु-पक्षी हैं |

चिड़ियाघर में अन्दर जाते ही रंग-बिरंग पक्षी देखने को मिले | इन पक्षियों में सारस, हंस, जलमुर्गी, बतख आदि थे | इन पक्षियों में से कुछ के पैरों में छल्ले पड़े हुए थे जो इस बात को दर्शाते थे कि ये पक्षी विदेशी हैं | ये कुछ समय के लिए भारत आए हैं |

थोड़ी दूर चलने पर हमें सफेद मोर, कला तीतर, तरह-तरह के तोते, बटेर तथा धनेश पक्षी देखने को मिले | इन्हें देखकर इनके रहने, खाने-पीने के संबंध में पता चला | ये सब जानकारियाँ पिंजरों के सामने लगे बोर्ड पर लिखी थीं |

यहाँ पर अनेक प्रकार के बन्दर देखने को मिले | लाल और काले मुँह वाले छोटे-बड़े बंदर उछल-कूद कर रहे थे | उनको तो देखते रहने को ही मन करता था |

यहाँ पर ही हमने पहली बार चिम्पांजी और वन मानुष देखे | चिड़ियाघर में जंगली गधा, जंगली सुअर तथा कंगारू, जेबरा और जिराफ देखे |

चिड़ियाघर में सफ़ेद शेर, बब्बर शेर, पीली और काली धारीवाला शेर भी देखा | कला चिता तथा चितकबरा चिता भी देखा | इन्हें देखकर डर भी लगा |

इसके अतिरिक्त हाथी, ऊँट की सवारी का आनंद भी लिया | यहीं पर मगरमच्छ, ऊदविलाब, लोमड़ी, भालू, हिरन, दरियाई, घोड़ा, गेंडा भी देखने को मिला | कुछ तरह के साँप भी दिखाई दिए |

चिड़ियाघर के पशु-पक्षियों को देखने के बाद हमने वहां स्थित दुकान से चाय आदि पी | कुछ देर हरी घास पर बैठे | हम आपस में भाग-दौड़ भी करते रहे | इस प्रकार चिड़ियाघर कि सैर में बड़ा आनन्द आया |

1- Metindeki cümlelerin yapısı incelenerek, çevirisi yapılacaktır.